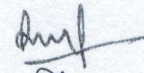


परिशिष्ट 'अ'

विधानसभा अतारांकित प्रश्न क्रमांक 2178
माननीय विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने
कोल विकास हेतु स्वीकृत एवं व्ययित राशि की जानकारी के संबंध में
प्रश्नांश (ख) के संबंध में

(राशि लाख में)

जिला/स्थान का नाम	कुल आवंटित राशि	कुल व्ययित राशि	गतिविधि का नाम
रीवा	15.63	0.00	गणवेश हेतु
	4.00	1.80	कृषि क्षेत्र
सतना	12.30	8.85	गणवेश हेतु
	4.00	4.00	कृषि क्षेत्र
सीधी	5.25	5.25	गणवेश हेतु
	3.30	3.30	कृषि क्षेत्र
	2.00	2.00	बैंक खाता खोलने हेतु
सिंगरौली	5.90	5.90	गणवेश एवं कृषि क्षेत्र
शहडोल	2.00	0.00	कृषि क्षेत्र
	6.09	3.94	गणवेश हेतु
अनूपपुर	2.25	2.25	गणवेश हेतु
	2.00	2.00	कृषि क्षेत्र
नरसिंहपुर	0.20	0.20	गणवेश हेतु
	1.00	1.00	कृषि क्षेत्र
जबलपुर	4.50	4.50	गणवेश हेतु
	2.00	2.00	कृषि क्षेत्र
उमारिया	4.70	2.00	गणवेश एवं कृषि हेतु
कटनी	6.27	6.27	गणवेश हेतु
	2.00	2.00	कृषि क्षेत्र
डिण्डौरी	1.80	1.80	गणवेश हेतु
	2.00	2.00	कृषि क्षेत्र
वन्या प्रकाशन	300.00	293.12	रीवा में अमर शहीद बिरसा मुण्डा जयंती कार्यक्रम आयोजन हेतु
कुल	389.19	354.18	



(रीता सिंह)

अपर संचालक

जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजनाएं

10/11/25

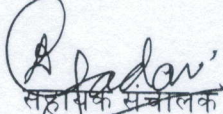
विधान सभा अतारांकित प्रश्न क्रमांक- 2178 द्वारा माननीय विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने
के प्रश्नांश "घ" की जानकारी

जनजाति समुदायों के भूमि अधिकारों की रक्षा, वनों पर उनके अधिकार के संबंध में अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 एवं मान्यता नियम 2008 तथा संशोधन नियम 2012 बनाये गये हैं। इसके तहत दिनांक 13.12.2006 के पूर्व वन भूमि पर काबिज वन निवासियों के वन अधिकारों को मान्यता प्रदान की जाती है।

स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से जनजातीय समुदाय का सिकल सेल एनीमिया का परीक्षण कराया जाता है और आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

म०प्र० रोजगार एवं प्रशिक्षण परिषद तथा म०प्र० आदिवासी वित्त एवं विकास निगम द्वारा जनजातीय क्षेत्रों में स्व-रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जाते हैं।

जनजातीय अनुसंधान एवं विकास संस्था स्तर से जनजातीय संस्कृति, भाषा और परम्पराओं को संरक्षित करने, दस्तावेजीकरण करने और प्रदर्शित करने का कार्य सौंपा गया है। टी.आर.आई. ने विशेष रूप से भीली, बैगानी, कोरकू, मवासी और गोंडी भाषा की लोक कथाओं का दस्तावेजीकरण और शब्दकोश तैयार किये गये हैं वर्तमान में भीली भाषा के लिये AI आधारित एप (Text to Text, Text to Speech, Speech to Speech) के लिए 145000 वाक्यांश एवं 10 वर्षों के मा. प्रधानमंत्री एवं मा. राष्ट्रपति महोदय के राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस एवं स्वतंत्रता दिवस के अवसरों पर दिये गये भाषणों का भीली भाषा में अनुवाद कराया गया है। इन प्रयासों में जनजातीय समुदायों की सहभागिता है। विभिन्न अवसरों में जनजातीय आदिरंग उत्सव, शिल्प मेलों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से जनजातीय शिल्प और उनकी संस्कृति का संरक्षण और संवर्धन किया जा रहा है।


सहायक सचिव
जनजातीय कार्य
मध्यप्रदेश